डॉ. सुरेन्द्र दत्त सेमल्टी

जल महिमा

जल महिमा

जल धरती का प्राण है, अम्बर का है फूल,
बिन जल धरती-धाम में, हर पल उड़ती धूल।
सारे प्राणी वनस्पतियां, पैदा होते तब,
हर जगह उपलब्ध हो, पर्याप्त जल जब।
जल तो ऐसा तत्व है, जिस पर टिकती सृष्टि,
इसके प्रति रखें सदा, अपनी निर्मल दृष्टि।
जल धुलता रहता सदा, हर मानव के पाप,
मज्जन-पान करने पर, हरता तन का ताप।
मानव पलता जिस अन्न से, वह जल पर पूर्ण निर्भर,
शक्ति संचय शरीर में, करता प्राणी हर।
पशु-पक्षी जल पीकर, करते अपना काम,
निर्मल जल ने आजतक, रखा है जीवन थाम।
आये दिन अक्सर मानव, कर रहे हैं जल को गन्दा,
कान खोल सुनलें सभी, यह नहीं है अच्छा धन्धा।
कूड़ा-कचरा मल-मूत्र से, करें न जल अपवित्र,
सार्थकता इसकी तभी, जब रहे यह पूर्ण पवित्र।
सब कुछ हो पर जल नहीं, नहिं लगती कुछ आश,
चाहते हो कल्याण यदि, तो बन जाओ जल के दास।
तन-मन-धन अर्पित कर, रखें सब जल की शुद्धि,
पवित्र जल उपयोग से, रहेगी निर्मल बुद्धि।

पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण प्रदूषण, फैल रहा चहुँ ओर,
इसे मिटाने का सब, मिलकर लगायें जोर।
ध्वनि वायु और जल सभी, रहे नहीं अब शुद्ध,
प्रदूषित करते नहीं, जो जन होते प्रबुद्ध।
वृक्षों को आये दिन, काट रहे हैं जन,
बढ़ रहा नित प्रदूषण, रोगग्रस्त हो रहे तन।
जो होता स्वच्छ निर्मल अति, उसमें फेंकते मल,
कूड़ा कचरा सब डालकर, कर रहे अपवित्र जल।
प्रदूषण के कारण, प्राणी वनस्पतियां सब,
सुरक्षित अब कोई नहीं, रहा धरती में अब।
पशु-पक्षी मानव अन्न, फल-फूल प्रदूषण से त्रस्त,
लगता जीवन का अस्तित्व, मानों हो चुका अस्त।
और भी कई प्रकार से, फैल रहा प्रदूषण,
हार नहीं हम मानते, जीतकर रहेंगे रण।
कार्य संस्कृति बदलकर, करें सब नित्य सुधार,
रहेगा जीवन सुरक्षित, होगी नहीं किसी की हार।
कर्णकटु कोलाहल सदा, देता अनेक है कष्ट,
आओ मिलकर सब जन, करें इन सबको नष्ट।

संपर्क करें:
डॉ. सुरेन्द्र दत्त सेमल्टी
ग्राम/पो. पुजार गाँव (चन्द्रवदनी)
वाया–हिण्डोला खाल
जिला–टिहरी गढ़वाल–249122 (उत्तराखंड)
मो.न. 9690450659